International Journal of Research in Social Sciences
Volume 13 Issue 07, July 2023
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 8.314 UGC Approved Journal Number: 48887
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

हरियाणा: भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस व भारतीय जनता पार्टी का लोकसभा चुनावों में प्रदर्शन व समर्थन क्षेत्र

उपदेश कुमारी
शोधार्थी भूगोल विभाग,
ओम स्टर्लिंग ग्लोबल विश्वविद्यालय, हिसार
Email ID: updeshgeo201@osgu.ac.in

डॉ. सुनील कुमार
एसोसिएट प्रोफेसर भूगोल,
सामाजिक विज्ञान और मानविकी के स्कूल,
ओम स्टर्लिंग ग्लोबल विश्वविद्यालय, हिसार
Email ID: sunilkumargeo@osgu.ac.in

सार

प्रस्तुत शोध पत्र में भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस व भारतीय जनता पार्टी के लोकसभा चुनाव 2009, 2014 व 2019 के दौरान हरियाणा प्रांत में इनके चुनाव प्रदर्शन व समर्थन क्षेत्रों का अध्ययन किया गया है। शोध में दोनों दलों द्वारा जीते गए लोकसभा क्षेत्रों व प्राप्त मतदान को मानचित्रों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है। शोध की प्रकृति भौगोलिक तथा शैली विवेचनातंक है जिसमें विभिन्न मानचित्रों की विवेचना की गयी है। आँकड़ों का मुख्य स्त्रोत चुनाव आयोग द्वारा प्रकाशित सांख्यिकी प्रतिवेदन हैं।

सङ्केतशब्दः भारतीय जनता पार्टी , भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, लोकसभा चुनावों में प्रदर्शन

परिचय

भारतीय राजनीति में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (कांग्रेस) व भारतीय जनता पार्टी (भा.ज.पा.) दो मुख्य राष्ट्रीय दल हैं। जो केंद्र सरकार की राजनीति के दो मुख्य गठबन्धनो का नेतृत्व कर रहे हैं जिनमें से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एन.डी.ए.) का नेतृत्व भा.ज.पा. तथा संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यु.पी.ए.) का नेतृत्व कांग्रेस पार्टी कर रही है। कांग्रेस भारत का सबसे पुराना राजनैतिक दल है जिसका गठन उपनिवेशिक काल में ही सन 1885 ई. में हो गया था। स्वतंत्रता के आन्दोलन में काँग्रेस की सक्रियता व राजनैतिक नेतृत्व की बदोलत 1947 के बाद से ही दल को भारत के सत्ता प्राप्त हुई। जो 70 के दशक तक लगभग निर्बाध रूप से कॉग्रेस के ही पक्ष में रही। लोकसभा चुनाव 2004 के बाद ही काँग्रेस ने अन्य दलों के साथ मिलकर संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यु.पी.ए.) का गठन किया। काँग्रेस की यू.पी.ए. के गठन से पूर्व व उसके बाद की मुख्य अवधारण धर्मनिरपेक्षता (सेकुलरिस्म) के विभिन्न आयामों को समेटे रही है; जिसमें वैधानिक, संस्थागत व अन्य प्रकार की अल्पसंख्यक समूह की आवश्यकताओं को सुरक्षित किया गया **(मित्रा, 2011)**।

दूसरी तरफ भाजपा के जन्म व उदय की संपूर्ण कहानी स्वतंत्रता के बाद की है। अखिल भारतीय जनसंघ के रूप में 1951 में अस्तित्व में आया यह राजनैतिक दल 1977 तक भारतीय जनसंघ (बीजेएस) या जनसंघ (जेएस) के नाम से जाना गया तथा 1977 में इस दल को जनता पार्टी के साथ विलय कर दिया गया। परंतु 1980 में जनता पार्टी के एक धड़े ने अलग होकर भारतीय जनता पार्टी नाम के राजनैतिक दल का गठन किया।

International Journal of Research in Social Sciences
Volume 13 Issue 07, July 2023
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 8.314 UGC Approved Journal Number: 48887
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

भाजपा ने 1998 में अन्य दलों के साथ मिलकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एन.डी.ए.) का गठन किया। इस गठबंधन के 1998 से 2004 के शासन में काँग्रेस की धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र की अवधारणा के विपरीत हिंदुत्व या हिंदु राष्ट्रवाद की अवधारणा को घरेलू राजनैतिक जमीन प्राप्त हुई **(ओगडेन, 2012)**।

प्रस्तुत शोध भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस व भारतीय जनता पार्टी के 2009, 2014 व 2019 के लोकसभा चुनावों में हरियाणा प्रांत के लोकसभा क्षेत्रों में प्रदर्शन व समर्थन क्षेत्रों की पहचान करेगा। ज्ञातव्य है की 2009 के लोकसभा चुनावों के बाद केंद्र में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन की सरकार पुनः बनी थी। इस सरकार में सबसे बड़ी पार्टी काँग्रेस थी। परंतु 2014 के चुनावों में भाजपा ने अभूतपूर्व प्रदर्शन करते हुए केंद्र में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार बनी थी यद्यपि भाजपा को अपनी सरकार बनाने के लिए किसी सहयोगी की आवश्यकता नहीं थी क्योंकि उसे लोकसभा में अकेले ही स्पष्ट बहुमत प्राप्त था। इसी प्रकार 2019 के चुनाव में भाजपा ने ना के वाल 2014 की ही भांति स्पष्ट बहुमत प्राप्त किया बल्कि अपनी जीत को ओर बड़ा किया। इस प्रकार भाजपा भारतीय दल तंत्र में दूसरे प्रमुख दल के रूप में उभर कर सामने आयी व इससे भारतीय राजनीति का सामाजिक परिवर्तन भी सामने आया **(छिब्बर व वर्मा, 2019)**।

लोकसभा चुनाव 2014 व 2019 में आए इस परिवर्तन को राजनैतिक विज्ञानी भारतीय राजनीति के एक नए युग के रूप में देखते हैं। शोध में पाया गया की इस परिवर्तन के पीछे भाजपा के प्रधानमंत्री उम्मीदवार नरेंद्र मोदी की छवि, गुजरात मॉडल, भ्रष्टाचार विरोधी लहर, सांप्रदायिक धुर्विकारण, नव-मध्यम वर्ग का उदय व कल्याणकारी योजनाएं मुख्य कारक रहे है **(मुकर्जी, 2015; जेफ़्फ़ेर्लोट, 2015; सरदेसाई, 2019; शास्त्री, 2019; देशपांडे व अन्य, 2019)**।

शोध उद्देश्य

(i) हरियाणा लोकसभा चुनाव (2009, 2014 और 2019) में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस व भारतीय जनता पार्टी का लोकसभा चुनावों में प्रदर्शन
(ii) हरियाणा लोकसभा चुनाव (2009, 2014 और 2019) में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस व भारतीय जनता पार्टी का समर्थन क्षेत्र

अध्ययन क्षेत्र

हरियाणा का भौगोलिक स्थान अक्षांश 27º 39' और 30º 55 '05' उत्तर और देशांतर 74º 27' 08' और 770 36' 05' पूर्व के बीच है। यह 44,212 किमी 2 क्षेत्र, या राष्ट्र के पूरे भूमि क्षेत्र का 1.37 प्रतिशत है। 2011 की जनगणना से पता चलता है कि हरियाणा में 253 मिलियन लोग रहते हैं। 253 मिलियन लोगों की कुल आबादी में से, 153 मिलियन पुरुष हैं और 118 मिलियन महिलाएं हैं, जो जनसंख्या का 2 प्रतिशत है। भारत में सबसे कम लिंगानुपात, प्रति 1,000 पुरुषों पर 877 महिलाओं के साथ, हरियाणा में दर्ज किया गया था। हरियाणा में साक्षरता दर औसतन 76.64 प्रतिशत है। राज्य में अब 119 ब्लॉक, 74 तहसील, 44 उप-तहसील, 21 जिले, 4 डिवीजन और 57 उपखंड हैं। हरियाणा राज्य में 154 शहर और 6841 गांव हैं।

International Journal of Research in Social Sciences
Volume 13 Issue 07, July 2023
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 8.314 UGC Approved Journal Number: 48887
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

आंकड़े स्त्रोत व शोध-विधि

प्रस्तुत शोध में द्वितीयक आंकड़ों का प्रयोग किया गया है जिनके मुख्य स्त्रोत भारतीय चुनाव आयोग, चुनाव आयोग के चुनाववार सांख्यिकी प्रतिवेदन, भारतीय जनगणना, जनगणना के प्राथमिक जनगणना प्रतिवेदन, विभिन्न प्रकाशित शोध हैं। अध्ययन की विश्लेषण इकाई लोकसभा क्षेत्र होगा, जिसमें हरियाणा प्रान्त की सभी 10 लोकसभा क्षेत्रों को सम्मिलित किया गया है। विश्लेषण के लिए विभिन्न परिगणित सारणी, आरेख व मानचित्रों का प्रयोग किया हैं। चरों के स्थानिक-सामयिक परिवर्तन को समझने के लिए अलग-अलग चुनावों के मानचित्रों के माध्यम से तुलनात्मक अध्ययन किया हैं। प्रस्तुत शोध स्थानीय संरचनात्मक उपागम तथा स्थानीय पारिस्थितिक उपागम पर आधारित हैं। आवश्यक मानचित्रों के निर्माण के लिए आर्क जी.आई.एस. सॉफ्टवेयर का प्रयोग किया गया है।

शोध-क्षेत्र

हरियाणा एक प्रान्त के रूप में 1966 में अस्तित्व में आया। हरियाणा भारत का 17वां प्रान्त था। प्रारंभ में हरियाणा में 09 लोकसभा व 81 विधानसभा क्षेत्र थे। वर्तमान में हरियाणा में 10 लोकसभा क्षेत्र तथा 90 विधानसभा क्षेत्र हैं। अब तक यहाँ 14 लोकसभा व 13 विधानसभा चुनाव हो चुके हैं। लोकसभा चुनावों के सन्दर्भ में हरियाणा की भौगोलिक अवस्थिति हिंदी हृदयस्थल में है। राजनीतिक वक्ता हरियाणा प्रान्त को दिल्ली का पड़ोसी राज्य होने के कारण भी एक विशेष महत्व देते हैं। यद्यपि लोकसभा में अंकों के दृष्टिकोण से हरियाणा की गिनती छोटे राज्यों में आती है। परन्तु हरियाणा का राजनीतिक महत्व इस तथ्य के आलोक में समझा जा सकता है की 10 लोकसभा सीटों के होते हुए भी इस राज्य से उप-प्रधानमंत्री व केन्द्र सरकार में कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं।

परिणाम और चर्चा

लोकसभा चुनाव 2009

लोकसभा चुनाव 2009 पंद्रहवीं लोकसभा के निर्वाचन के लिए हुए थे। जो पांच चरणों में 16 अप्रैल 2009 से 13 मई 2009 के मध्य सम्पन्न हुए। कुल 543 लोकसभा क्षेत्रों पर हुए इन चुनावों में 716985101 निर्वाचक पंजीकृत थे जिनमें से 374758801 पुरुष निर्वाचक तथा 342226300 महिला निर्वाचक पंजीकृत थे। हरियाणा के सभी 10 लोकसभा क्षेत्रों में इस चुनाव के लिए कुल 12087710 पंजीकृत निर्वाचकों में से 6590954 पुरुष निर्वाचक तथा 5496756 महिला निर्वाचक पंजीकृत थी। हरियाणा में 4535822 पुरुषों व 3619042 महिलाओं ने मतदान किया तथा अन्य श्रेणियां मिलकर कुल 8156554 निर्वाचकों ने मतदान किया। इन चुनावों में हरियाणा का मतदान प्रतिशत 67.51 रहा। इन चुनावों में हरियाणा के 10 लोकसभा क्षेत्रों से 196 पुरुष उम्मीदवार व 14 महिला उम्मीदवार सहित कुल 210 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा। यह तथ्य स्पष्ट करता है की पुरुष उम्मीदवारों के मुकाबले महिला उम्मीदवारों की संख्या काफी कम थी। यदि इन्हीं आंकड़ों का अध्ययन लोकसभा क्षेत्रवार करें तो स्पष्ट होता है की हिसार से सर्वाधिक 38 व अंबाला से न्यूनतम 7 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा, जहाँ तक महिला उम्मीदवारों का प्रश्न है तो भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र से सर्वाधिक 3 तथा रोहतक लोकसभा क्षेत्र से किसी भी महिला उम्मीदवार ने चुनाव नहीं लड़ा। (तालिका 1)। प्रत्येक लोकसभा क्षेत्र से उम्मीदवारों की स्थिति को निम्न श्रेणी से समझा जा सकता है इन चुनावों में हरियाणा प्रान्त में कुल 37 राजनितिक दलों से 97 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा व 113 स्वतंत्र उमीदवारों ने चुनाव लड़ा (तालिका 1)।

International Journal of Research in Social Sciences
Volume 13 Issue 07, July 2023
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 8.314 UGC Approved Journal Number: 48887
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

क्रमांक	लोकसभा क्षेत्र	महिला उम्मीदवार	पुरुष उम्मीदवार	कुल
1.	अंबाला	1	6	7
2.	करुक्षेत्र	1	13	14
3.	सिरसा	1	14	15
4.	हिसार	1	37	38
5.	करनाल	2	21	23
6.	सोनीपत	1	20	21
7.	रोहतक	0	16	16
8.	भिवानी-महेंद्रगढ़	3	26	29
9.	गुडगांव	2	22	24
10.	फरीदाबाद	2	21	23
कुल		**14**	**196**	**210**

स्त्रोत: सांख्यिकी प्रतिवेदन लोकसभा चुनाव, 2009 (भारतीय चुनाव आयोग)

तालिका 1

कांग्रेस

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने 2009 लोकसभा चुनावों में हरियाणा के सभी 10 लोकसभा क्षेत्रों से अपने प्रतिनिधियों को चुनाव में प्रतिभागी बनाया। कांग्रेस के 10 प्रतिभागियों में से 2 महिला व 8 पुरुष थे। महिला प्रतिभागियों में सैलजा ने अंबाला लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ा तथा श्रुति चौधरी ने भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ा व दोनों ही महिला उम्मीदवारों विजयी रही। हरियाणा के 10 लोकसभा क्षेत्रों में से कांग्रेस इन चुनावों में 9 लोकसभा क्षेत्रों पर विजयी रही। हिसार लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार जयप्रकाश तीसरे स्थान पर रहे। हिसार लोकसभा क्षेत्र से हरियाणा जनहित कांग्रेस के उम्मीदवार भजनलाल विजयी हुए।

कांग्रेस उम्मीदवार व प्राप्त मत प्रतिशत, 2009

क्रमांक	लोकसभा क्षेत्र	उम्मीदवार	कुल मतदान से प्राप्त मत (प्रतिशत)
1.	अंबाला	सैलजा	37.19
2.	करुक्षेत्र	नवीन जिंदल	45.37
3.	सिरसा	अशोक तंवर	42.35
4.	हिसार	जयप्रकाश	24.69
5.	करनाल	अरविन्द कुमार शर्मा	37.57
6.	सोनीपत	जितेन्द्र सिंह	47.57
7.	रोहतक	दीपेन्द्र सिंह	69.98
8.	भिवानी-महेंद्रगढ़	श्रुति चौधरी	35.03
9.	गुडगांव	इन्द्रजीत सिंह	36.83
10.	फरीदाबाद	अवतार सिंह बढ़ाना	41.26

स्त्रोत: सांख्यिकी प्रतिवेदन लोकसभा चुनाव, 2009 (भारतीय चुनाव आयोग)

तालिका 2

International Journal of Research in Social Sciences
Volume 13 Issue 07, July 2023
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 8.314 UGC Approved Journal Number: 48887
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

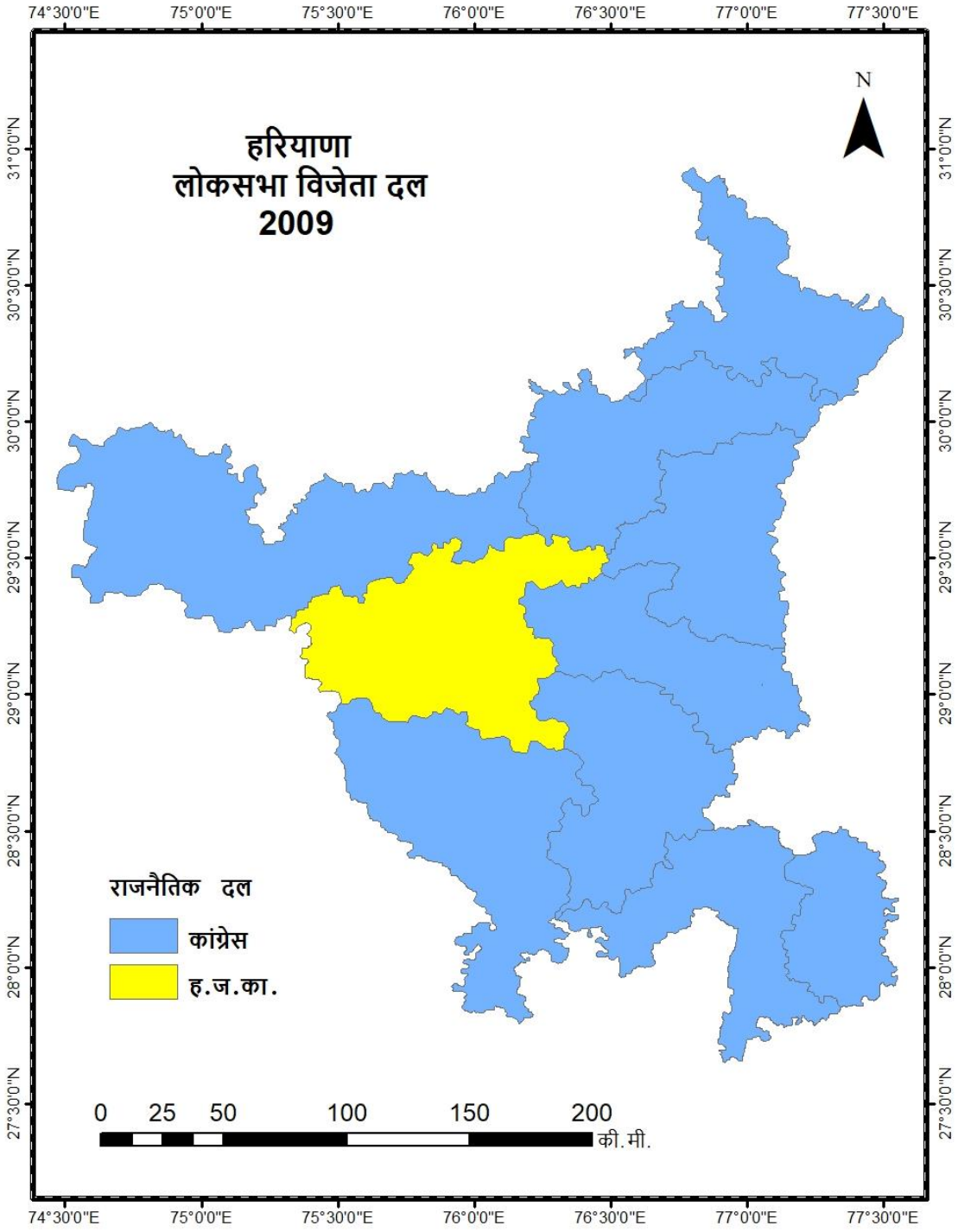

मानचित्र 1

International Journal of Research in Social Sciences
Volume 13 Issue 07, July 2023
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 8.314 UGC Approved Journal Number: 48887
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

कांग्रेस ने सर्वाधिक मत 69.98 प्रतिशत रोहतक लोकसभा क्षेत्र से प्राप्त किए तथा न्यूनतम मत 24.69 प्रतिशत हिसार लोकसभा क्षेत्र से प्राप्त किए। कांग्रेस पार्टी ने 5 लोकसभा क्षेत्रों से 40 प्रतिशत से अधिक मतदान प्राप्त किया।

भाजपा

भारतीय जनता पार्टी ने लोकसभा चुनाव 2009 हरियाणा में इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) पार्टी के साथ गठबंधन में लड़ा जिसमें दोनों ही राजनितिक दलों ने 5-5 लोकसभा क्षेत्रों से अपने उम्मीदवार चुनाव मैदान में उतारे तथा अन्य स्थानों पर एक-दुसरे का समर्थन किया। उपरोक्त सारणी से स्पष्ट होता है की अंबाला, करनाल, सोनीपत, गुडगांव व फरीदाबाद लोकसभा क्षेत्रों से भाजपा के उम्मीदवार चुनाव लड़े तथा कुरुक्षेत्र, सिरसा, हिसार, रोहतक व भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्रों से इनेलो के उम्मीदवार चुनाव लड़े।

भाजपा को अधिकतम मत 35.5 प्रतिशत अंबाला लोकसभा क्षेत्र से प्राप्त हुए तथा न्यूनतम मत 16.64 प्रतिशत गुडगांव लोकसभा क्षेत्र से प्राप्त हुए। भाजपा करनाल व गुडगांव लोकसभा क्षेत्र से तीसरे स्थान पर रही जबकि अन्य तीनों लोकसभा क्षेत्रों पर दूसरा स्थान प्राप्त किया। भाजपा के गठबंधन के साथी इनेलो को अधिकतम मत 38.74 प्रतिशत सिरसा लोकसभा क्षेत्र से तथा न्यूनतम मत 16.66 प्रतिशत रोहतक लोकसभा क्षेत्र से प्राप्त हुए। इनेलो ने अपने सभी 5 लोकसभा क्षेत्रों पर दूसरा स्थान सुनिश्चित किया। इस प्रकार यदि दोनों दलों के प्रदर्शन की बात करें तो इनेलो ने भाजपा से बेहतर प्रदर्शन अपने लोकसभा क्षेत्रों में किया।

भाजपा उम्मीदवार व प्राप्त मत प्रतिशत, 2009

क्रमांक	लोकसभा क्षेत्र	उम्मीदवार	दल	कुल मतदान से प्राप्त मत (प्रतिशत)
1	अंबाला	रत्तनलाल कटारिया	भाजपा	35.5
2	करुक्षेत्र*	अशोक कुमार अरोड़ा	इनेलो	31.81
3	सिरसा*	डॉ. सीता राम	इनेलो	38.74
4	हिसार *	संपत सिंह	इनेलो	29.15
5	करनाल	आई.डी.स्वामी	भाजपा	22.86
6	सोनीपत	किशन सिंह सांगवान	भाजपा	24.92
7	रोहतक*	नफेसिंह राठी	इनेलो	16.66
8	भिवानी-महेंद्रगढ़*	अजय सिंह चौटाला	इनेलो	28.6
9	गुडगांव	सुधा	भाजपा	16.64
10	फरीदाबाद	रामचंद्र बैंदा	भाजपा	30.35

स्त्रोत: सांख्यिकी प्रतिवेदन लोकसभा चुनाव, 2009 (भारतीय चुनाव आयोग)

तालिका 3

International Journal of Research in Social Sciences
Volume 13 Issue 07, July 2023
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 8.314 UGC Approved Journal Number: 48887
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

लोकसभा चुनाव 2014

लोकसभा चुनाव 2014 सोलहवीं लोकसभा के निर्वाचन के लिए 07 अप्रैल 2014 से 12 मई 2014 के मध्य 10 चरणों में सम्पन्न हुए। कुल 543 लोकसभा क्षेत्रों के लिए हुए इन चुनावों में 834,082,814 पंजीकृत निर्वाचक थे। जिनमें से 43,7035,372 पुरुष, 397,018,915 महिला व 28527 अन्य निर्वाचक थे। इन चुनावों में कुल 553,020,648 निर्वाचकों ने मतदान किया जिनमें से 292,826,408 पुरुष, 260,192,272 महिला व 1968 अन्य मतदाता रहे। इस प्रकार कुल मतदान प्रतिशत 66.30 प्रतिशत रहा, पुरुष मतदान 67 प्रतिशत रहा, महिला मतदान 65.54 प्रतिशत रहा व अन्य मतदाताओं का मतदान 7 प्रतिशत रहा।

हरियाणा में सभी 10 लोकसभा क्षेत्रों पर कुल पंजीकृत निर्वाचकों की संख्या 16,097,233 रही,पुरुष निर्वाचक 8,716,547, महिला निर्वाचक 7,380,686 तथा अन्य श्रेणी का कोई भी निर्वाचक पंजीकृत नहीं था। उपरोक्त निर्वाचकों में से कुल 11,501,251 ने मतदान किया जिनमें से 6,350,299 पुरुष तथा 5,142,918 महिला मतदाताओं ने मतदान किया। इस प्रकार इन चुनावों में हरियाणा का कुल मतदान प्रतिशत 71.45 रहा जबकि पुरुष मतदान प्रतिशत 72.85 तथा महिला मतदान प्रतिशत 69.68 प्रतिशत रहा। हरियाणा से लोकसभा चुनाव 2014 में कुल 230 उम्मीदवार चुनाव मैदान में थे। इनमें से 11 महिला, 219 पुरुष व इनके अतिरिक्त 10 नोटा के विकल्प उपलब्ध थे। सर्वाधिक उम्मीदवार हिसार लोकसभा क्षेत्र से थे जिनमें 40 पुरुष व एक महिला उम्मीदवार थी। न्यूनतम उम्मीदवार 14 रहे जो की दो लोकसभा क्षेत्रों रोहतक व अंबाला से थे। सिरसा, सोनीपत व रोहतक से एक भी महिला उम्मीदवार चुनाव मैदान मेन नहीं थी (तालिका 4)। इन्हीं चुनावों में सर्वप्रथम नोटा का विकल्प सभी लोकसभा क्षेत्रों में दिया गया। जिसका अर्थ था यदि किसी लोकसभा क्षेत्र से एक भी उम्मीदवार मतदाता को मतदान योग्य ना लगे तो इस विकल्प को वह मतदान कर सके। इन चुनावों में कुल 42 राजनैतिक दलों से 109 उम्मीदवारों ने अपना चुनाव लड़ा जबकि 121 स्वतंत्र उम्मीदवार रहे (तालिका 4)।

क्रमांक	लोकसभा क्षेत्र	महिला उम्मीदवार	पुरुष उम्मीदवार	नोटा	कुल
1.	अंबाला	1	13	1	15
2.	करुक्षेत्र	2	20	1	23
3.	सिरसा	-	18	1	19
4.	हिसार	1	40	1	42
5.	करनाल	2	21	1	24
6.	सोनीपत	-	23	1	24
7.	रोहतक	-	14	1	15
8.	भिवानी-महेंद्रगढ़	1	25	1	27
9.	गुडगांव	1	21	1	23
10.	फरीदाबाद	3	24	1	28
	कुल	**11**	**219**	**10**	**240**

स्त्रोत: सांख्यिकी प्रतिवेदन लोकसभा चुनाव, 2014 (भारतीय चुनाव आयोग)

तालिका 4

International Journal of Research in Social Sciences
Volume 13 Issue 07, July 2023
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 8.314 UGC Approved Journal Number: 48887
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

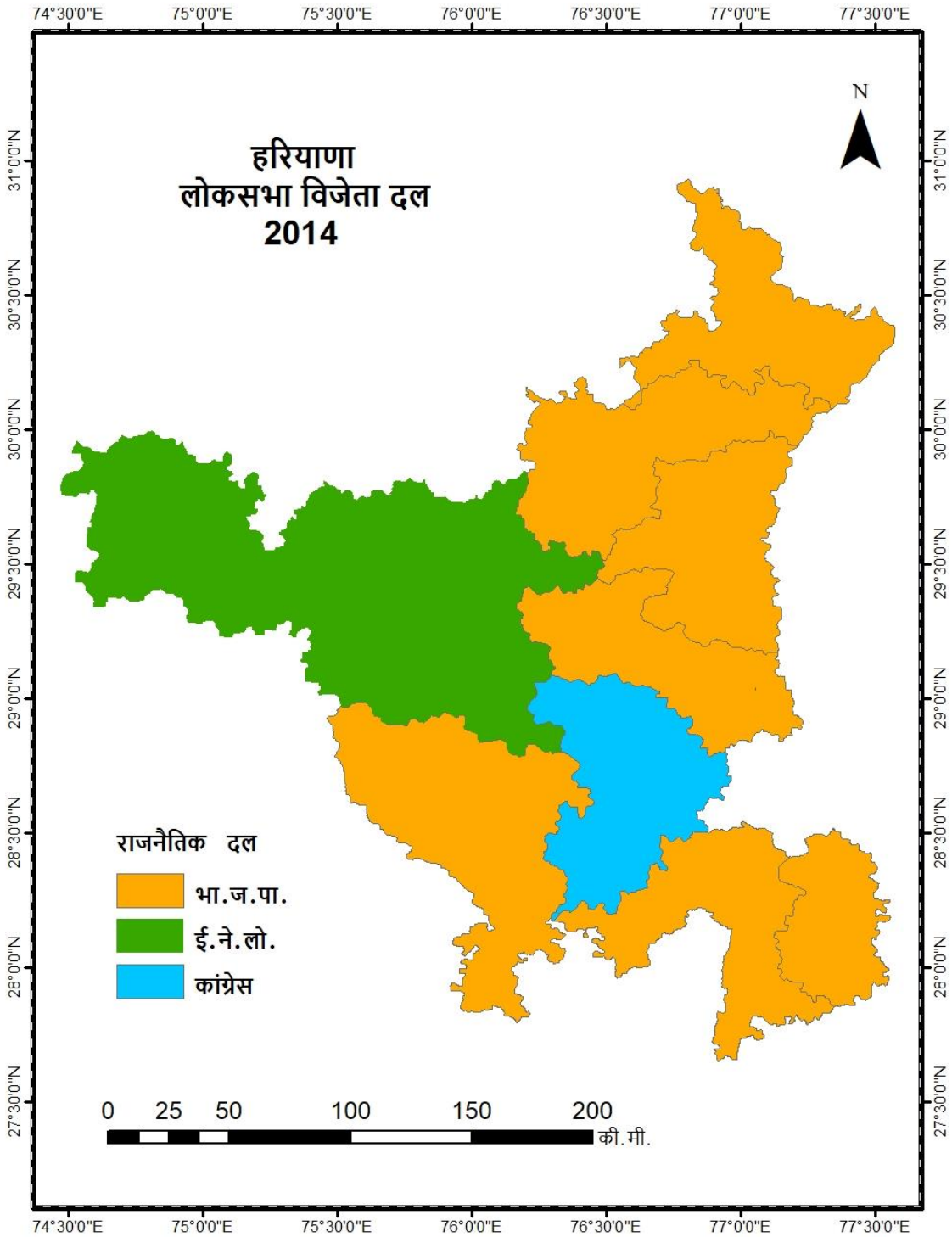

मानचित्र 2

International Journal of Research in Social Sciences
Volume 13 Issue 07, July 2023
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 8.314 UGC Approved Journal Number: 48887
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

काँग्रेस

लोकसभा चुनाव 2014 में काँग्रेस पार्टी ने सभी लोकसभा क्षेत्रों से अपने उम्मीदवारों को चुनाव मैदान में उतारा जिनमें से 09 पुरुष व 01 महिला उम्मीदवार थी। काँग्रेस पार्टी के उम्मीदवार दीपेन्द्र सिंह रोहतक लोकसभा क्षेत्र से विजयी रहे इसके अतिरिक्त पार्टी ने अंबाला, सिरसा, करनाल, सोनीपत व फरीदाबाद से द्वितीय स्थान प्राप्त किया। कुरुक्षेत्र, हिसार, भिवानी-महेन्द्रगढ़ व गुड़गाँव से तृतीय स्थान पर पार्टी के उम्मीदवार रहे। उपरोक्त लोकसभा चुनावों में काँग्रेस को सर्वाधिक मतदान 46.86 प्रतिशत रोहतक लोकसभा क्षेत्र से प्राप्त हुए तथा न्यूनतम मतदान 8.86 प्रतिशत हिसार लोकसभा क्षेत्र से प्राप्त हुए (तालिका 5)।

क्रमांक	लोकसभा क्षेत्र	उम्मीदवार	कुल मतदान से प्राप्त मत (प्रतिशत)
1.	अंबाला	राज कुमार बाल्मीकी	22.30
2.	करुक्षेत्र	नवीन जिंदल	25.32
3.	सिरसा	अशोक तंवर	30.54
4.	हिसार	संपत सिंह	8.86
5.	करनाल	अरविंद कुमार शर्मा	19.66
6.	सोनीपत	जगबीर सिंह मलिक	27.35
7.	रोहतक	दीपेन्द्र सिंह हूड़ा	46.86
8.	भिवानी-महेंद्रगढ़	श्रुति चौधरी	26.00
9.	गुडगांव	राव धर्मपाल	10.12
10.	फरीदाबाद	अवतार सिंह भड़ाना	16.42

स्त्रोत: सांख्यिकी प्रतिवेदन लोकसभा चुनाव, 2014 (भारतीय चुनाव आयोग)

तालिका 5

भाजपा

उपरोक्त लोकसभा चुनावों में भाजपा को सर्वाधिक मत फ़रीदाबाद लोकसभा क्षेत्र से 57.70 प्रतिशत प्राप्त हुए तथा न्यूनतम मत रोहतक लोकसभा क्षेत्र से 30.55 प्रतिशत प्राप्त हुए। (तालिका 6)। इन चुनावों में भाजपा का गठबंधन हरियाणा जनहित काँग्रेस भजनलाल (हजका) के साथ था । भाजपा ने 8 लोकसभा क्षेत्रों से चुनाव लड़ा तथा हजका को इस गठबंधन में 2 लोकसभा क्षेत्रों से अपना उम्मीदवार उतरने का अवसर मिला। भाजपा के 8 में से 7 उम्मीदवारों ने जीत हासिल की वहीं हजका के दोनों उम्मीदवार अपना चुनाव हार गए। भाजपा ने जिन 8 लोकसभा क्षेत्रों से अपने उम्मीदवार उत्तारे उनमें अंबाला, कुरुक्षेत्र, करनाल, सोनीपत, रोहतक, भिवानी-महेन्द्रगढ़, गुड़गाँव व फ़रीदाबाद रहे। उपरोक्त लोकसभा क्षेत्रों में से रोहतक को छोड़कर सभी सात लोकसभा क्षेत्रों पर भाजपा को जीत प्राप्त हुई तथा रोहतक से काँग्रेस के उम्मीदवार को जीत प्राप्त हुई। हिसार व सिरसा से हजका के दोनों उम्मीदवारों को हार का सामना कर्ण पड़ा व इन दोनों ही लोकसभा क्षेत्रों से इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) के उम्मीदवारों ने जीत हासिल हुई। इनेलो हरियाणा का एक क्षेत्रीय दल है (तालिका 6)।

International Journal of Research in Social Sciences
Volume 13 Issue 07, July 2023
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 8.314 UGC Approved Journal Number: 48887
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

क्रमांक	लोकसभा क्षेत्र	उम्मीदवार	पार्टी	कुल मतदान से प्राप्त मत (प्रतिशत)
1.	अंबाला	रत्तनलाल कटारिया	भाजपा	50.17
2.	करुक्षेत्र	राजकुमार सैनी	भाजपा	36.80
3.	सिरसा*	डॉ. सुशील इंदोरा	ह.ज.का.	18.84
4.	हिसार*	कुलदीप बिश्नोई	ह.ज.का.	39.99
5.	करनाल	अश्वनी कुमार	भाजपा	49.83
6.	सोनीपत	रमेशचंद्र	भाजपा	35.19
7.	रोहतक	ओम प्रकाश धनकड़	भाजपा	30.55
8.	भिवानी-महेंद्रगढ़	धर्मवीर	भाजपा	39.22
9.	गुडगांव	इन्द्रजीत सिंह राव	भाजपा	48.82
10.	फरीदाबाद	कृष्णपाल	भाजपा	57.70

स्त्रोत: सांख्यिकी प्रतिवेदन लोकसभा चुनाव, 2014 (भारतीय चुनाव आयोग)

तालिका 6

लोकसभा चुनाव 2019

लोकसभा चुनाव 2019 सत्तरवीं लोकसभा के निर्वाचन के लिए 11 अप्रैल 2019 से 19 मई 2019 के मध्य 07 चरणों में सम्पन्न हुए। कुल 542 लोकसभा क्षेत्रों के लिए हुए इन चुनावों में 910,512,091 पंजीकृत निर्वाचक थे। जिनमें से 472,666,414 पुरुष, 437,806,707 महिला व 38970 अन्य निर्वाचक थे। इन चुनावों में कुल 610,851,929 निर्वाचकों ने मतदान किया (चुनाव बूथ पर) जिनमें से 316,743,616 पुरुष, 294,102,631 महिला व 5,682 अन्य (थर्ड जेण्डर) मतदाता रहे। इस प्रकार कुल मतदान प्रतिशत 67.09 प्रतिशत रहा, पुरुष मतदान 67.01 प्रतिशत रहा, महिला मतदान 67.18 प्रतिशत रहा व अन्य मतदाताओं का मतदान 14.58 प्रतिशत रहा। हरियाणा में सभी 10 लोकसभा क्षेत्रों पर कुल पंजीकृत निर्वाचकों की संख्या 18,057,010 रही, पुरुष निर्वाचक 9,716,412, महिला निर्वाचक 8,340,340 तथा अन्य श्रेणी के 258 निर्वाचक पंजीकृत थे। उपरोक्त निर्वाचकों में से कुल 12,701,029 ने मतदान किया जिनमें से 6,827,386 पुरुष तथा 5,800,424 महिला मतदाताओं ने तथा 37 अन्य मतदाताओं ने मतदान किया। इस प्रकार इन चुनावों में हरियाणा का कुल मतदान प्रतिशत 70.34 प्रतिशत रहा जबकि पुरुष मतदान प्रतिशत 70.27 तथा महिला मतदान प्रतिशत 69.55 रहा। उपरोक्त लोकसभा चुनावों में कुल 223 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा जिनमें से 11 महिला उम्मीदवार तथा 212 पुरुष उम्मीदवार मैदान में थे। 10 आँय विकल्प नोटा के रूप में सभी लोकसभा क्षेत्रों पर उपलब्ध थे तथा इस पार्कर कुल 233 विकल्प इन चुनावों में रहे। उपरोक्त चुनावों में 212 में से 85 उम्मीदवार स्वतंत्र थे तथा आँय सभी उम्मीदवार अलग-अलग 50 राजनैतिक दलों से चुनाव मैदान में रहे।

International Journal of Research in Social Sciences
Volume 13 Issue 07, July 2023
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 8.314 UGC Approved Journal Number: 48887
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

क्रमांक	लोकसभा क्षेत्र	महिला उम्मीदवार	पुरुष उम्मीदवार	नोटा	कुल
1.	अंबाला	1	17	1	19
2.	करुक्षेत्र	3	21	1	25
3.	सिरसा	1	19	1	21
4.	हिसार	-	26	1	27
5.	करनाल	-	16	1	17
6.	सोनीपत	2	27	1	30
7.	रोहतक	1	17	1	19
8.	भिवानी-महेंद्रगढ़	2	19	1	22
9.	गुडगांव	-	24	1	25
10.	फरीदाबाद	1	26	1	28
	कुल	**11**	**212**	**10**	**233**

स्त्रोत: सांख्यिकी प्रतिवेदन लोकसभा चुनाव, 2019 (भारतीय चुनाव आयोग)

तालिका 7

काँग्रेस

सभी 10 लोकसभा क्षेत्रों से काँग्रेस पार्टी ने अपने उम्मीदवार चुनाव मैदान में उत्तारे तथा इनमें 2 महिला उम्मीदवार व 8 पुरुष उम्मीदवार थे। उपरोक्त चुनाव भाजपा की प्रचंड ऐतिहासिक जीत का चुनाव था जोकि हरियाणा में भी देखने को मिला। इस चुनाव में काँग्रेस के सभी उम्मीदवारों को हार का सामना करना पड़ा। काँग्रेस के 9 उम्मीदवार द्वितीय तथा हिसार लोकसभा क्षेत्र से भव्य बिशनोई तृतीय स्थान पर रहे।

क्रमांक	लोकसभा क्षेत्र	उम्मीदवार	कुल मतदान से प्राप्त मत (प्रतिशत)
1.	अंबाला	सेलजा	30.67
2.	करुक्षेत्र	निर्मल सिंह	24.70
3.	सिरसा	अशोक तंवर	29.51
4.	हिसार	भव्य बिशनोई	15.60
5.	करनाल	कुलदीप शर्मा	19.63
6.	सोनीपत	भूपेन्द्र सिंह हूडा	37.38
7.	रोहतक	दीपेन्द्र सिंह हूड़ा	46.23
8.	भिवानी-महेंद्रगढ़	श्रुति चौधरी	25.07
9.	गुडगांव	कप्तान अजय सिंह	34.20
10.	फरीदाबाद	अवतार सिंह भड़ाना	20.70

स्त्रोत: सांख्यिकी प्रतिवेदन लोकसभा चुनाव, 2019 (भारतीय चुनाव आयोग)

तालिका 8

International Journal of Research in Social Sciences
Volume 13 Issue 07, July 2023
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 8.314 UGC Approved Journal Number: 48887
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

भाजपा

इन चुनावों में भाजपा के सभी 10 लोकसभा क्षेत्रों से उम्मीदवार चुनाव मैदान में रहे। भाजपा ने यह चुनाव हरियाणा में बिना किसी गठबंधन के लड़ा तथा सभी उम्मीदवारों ने अपना चुनाव जीता तथा इस प्रकार हरियाणा की सभी 10 लोकसभा सीट भाजपा के खाते में गयी। यद्यपि पूरे देश में ही भाजपा ने इन चुनावों में ऐतिहासिक प्रदर्शन किया था परंतु हरियाणा में भी ईएसए प्रथम बार हुआ था। कुल 10 में से 09 लोकसभा क्षेत्र एसे थे जहाँ भाजपा ने 50 प्रतिशत से अधिक मतदान प्राप्त किया था। प्रत्येक लोकसभा क्षेत्र व उम्मीदवार अनुसार मतदान प्रतिशत को निम्न सारणी से समझा जा सकता है:-

क्रमांक	लोकसभा क्षेत्र	उम्मीदवार	कुल मतदान से प्राप्त मत (प्रतिशत)
1.	अंबाला	रत्तनलाल कटारिया	56.64
2.	करुक्षेत्र	नायब सिंह	55.93
3.	सिरसा	सुनीता दुग्गल	52.13
4.	हिसार	बृजेन्द्र सिंह	51.04
5.	करनाल	संजय भाटिया	70.04
6.	सोनीपत	रमेशचंद्र कौशिक	51.95
7.	रोहतक	अरविंद कुमार शर्मा	46.84
8.	भिवानी-महेंद्रगढ़	धर्मवीर	63.19
9.	गुडगांव	राव इन्द्रजीत सिंह	60.88
10.	फरीदाबाद	कृष्णपाल	68.76

स्त्रोत: सांख्यिकी प्रतिवेदन लोकसभा चुनाव, 2019 (भारतीय चुनाव आयोग)

तालिका 9

International Journal of Research in Social Sciences
Volume 13 Issue 07, July 2023
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 8.314 UGC Approved Journal Number: 48887
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

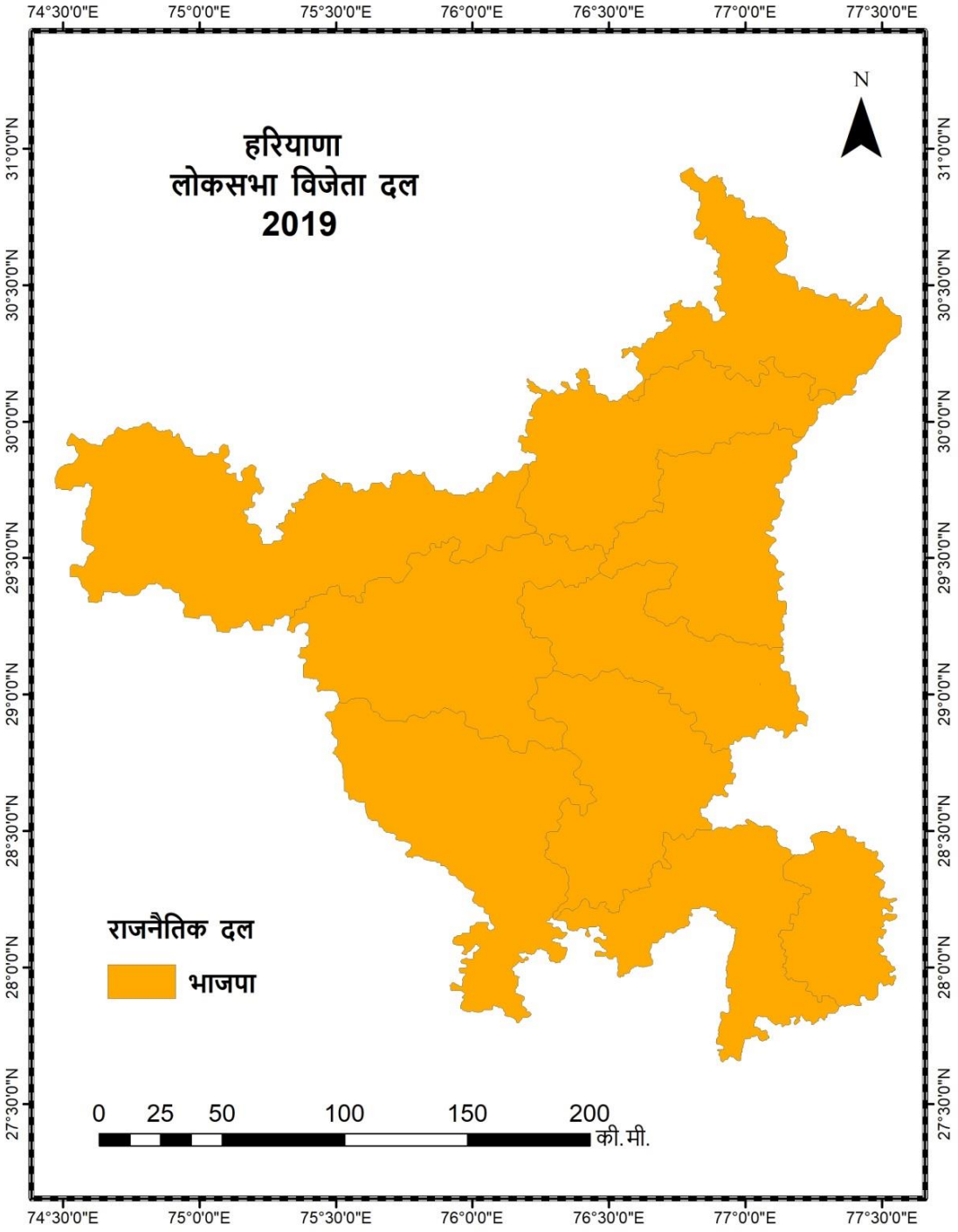

मानचित्र 3

International Journal of Research in Social Sciences
Volume 13 Issue 07, July 2023
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 8.314 UGC Approved Journal Number: 48887
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

समर्थन क्षेत्र

प्रस्तुत शोध में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) व भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस (काँग्रेस) के मुख्य व गोण समर्थन क्षेत्रों को समझने का प्रयास किया गया है। इन क्षेत्रों की पहचान के लिए दोनों राजनीतिक दलों द्वारा 2009, 2014 व 2019 के लोकसभा चुनावों में प्राप्त मतदान का औसत निकाला गया तथा उसे मानचित्र पर प्रदर्शित करके कहतरों की पहचान की गयी। दोनों राजनैतिक दलों के मानचित्रों (4) पर मतदान को छ: श्रेणियों में बांटा गया है। जिनमें से ऊपर की तीन श्रेणियाँ (40 प्रतिशत से अधिक) किसी राजनैतिक दल के मुख्य समर्थन क्षेत्र को दर्शाती है जबकि नीचे की तीन श्रेणियाँ (40 प्रतिशत से कम) किसी राजनैतिक दल के गोण समर्थन क्षेत्र को दर्शाती है।

काँग्रेस

भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस (काँग्रेस) एक पुराना राजनैतिक दल है जिसका गठन भारत की स्वतंत्रता से पूर्व ही हो गया था। प्रारंभ से ही हरियाणा की राजनीति में भी इसका महत्वपूर्ण स्थान रहा है। काँग्रेस ने 2009 के चुनावों में हरियाणा के 10 में से 09 लोकसभा क्षेत्र जीते, 2014 में 10 में से केवल एक तथा 2019 में कोई लोकसभा क्षेत्र नहीं जीत पाए। इस प्रकार काँग्रेस उपरोक्त तीनों चुनावों में उत्तरो-उत्तर कम प्रभावी होती गयी तथा 2019 के चुनाव में तो एक भी लोकसभा क्षेत्र नहीं बचा पाई। यद्यपि तीनों ही चुनावों में काँग्रेस की प्रतिस्पर्धा भाजपा व उसके गठबंधन के घटकों से रही। 2014 के लोकसभा चुनावों में काँग्रेस एक लोकसभा क्षेत्र को जीतने के आतिरिक्त 5 लोकसभा क्षेत्रों में द्वितीय स्थान पर रही व 2019 के लोकसभा चुनावों में 9 लोकसभा क्षेत्रों में द्वितीय स्थान पर रही। इस प्रकार तीनों लोकसभा चुनावों में काँग्रेस के विभिन्न उम्मीदवारों द्वारा प्राप्त मतों के औसत को निम्न मानचित्र में दर्शाया गया है:-

मानचित्र (4) के आधार पर काँग्रेस पार्टी के प्रमुख क्षेत्र निम्न प्रकार हैं:-

1. *मुख्य समर्थन क्षेत्र:* काँग्रेस पार्टी के मुख्य क्षेत्र का निर्माण रोहतक व सोनीपत लोकसभा क्षेत्र करते हैं जहाँ से पार्टी को 40 प्रतिशत से अधिक मतदान मिला है। यदि इनमें से भी पार्टी के हृदय स्थल की बात हो तो रोहतक लोकसभा क्षेत्र सर्वप्रमुख क्षेत्र है जहाँ से पार्टी ने 50 प्रतिशत से अधिक औसत मतदान इन तीनों चुनावों में प्राप्त किया है।
2. *गौण समर्थन क्षेत्र:* रोहतक व सोनीपत लोकसभा क्षेत्र के अतिरिक्त काँग्रेस पार्टी सभी 8 लोकसभा क्षेत्रों में गौण हो चुकी है क्योंकि उपरोक्त सभी 8 लोकसभा क्षेत्रों में पार्टी को 40 प्रतिशत से कम औसत मतदान प्राप्त हुआ है। यद्यपि इस गौण समर्थन क्षेत्र में भी पार्टी के समर्थन के दो अलग-अलग प्रतिरूप देखे जा सकते हैं।
    i. उच्च मतदान समर्थन क्षेत्र: ये वो क्षेत्र हैं जहाँ से पार्टी को 30 प्रतिशत से 40 प्रतिशत के मध्य समर्थन प्राप्त हुआ है। इसमें उत्तरी-पश्चिमी हरियाणा के अंबाला, कुरुक्षेत्र व सिरसा लोकसभा क्षेत्र आते हैं।
    ii. निम्न मतदान समर्थन क्षेत्र: ये वो क्षेत्र हैं जहाँ से पार्टी को 30 प्रतिशत से भी कम औसत मतदान प्राप्त हुआ है इसमें मध्य व दक्षिणी हरियाणा के करनाल, हिसार, भिवानी-महेन्द्रगढ़, गुड़गाँव व फरीदाबाद लोकसभा क्षेत्र आते हैं। इन लोकसभा क्षेत्रों में 2009 के चुनाव के बाद काँग्रेस का मतदान प्रतिशत तेजी से नीचे गया है।

International Journal of Research in Social Sciences
Volume 13 Issue 07, July 2023
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 8.314 UGC Approved Journal Number: 48887
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

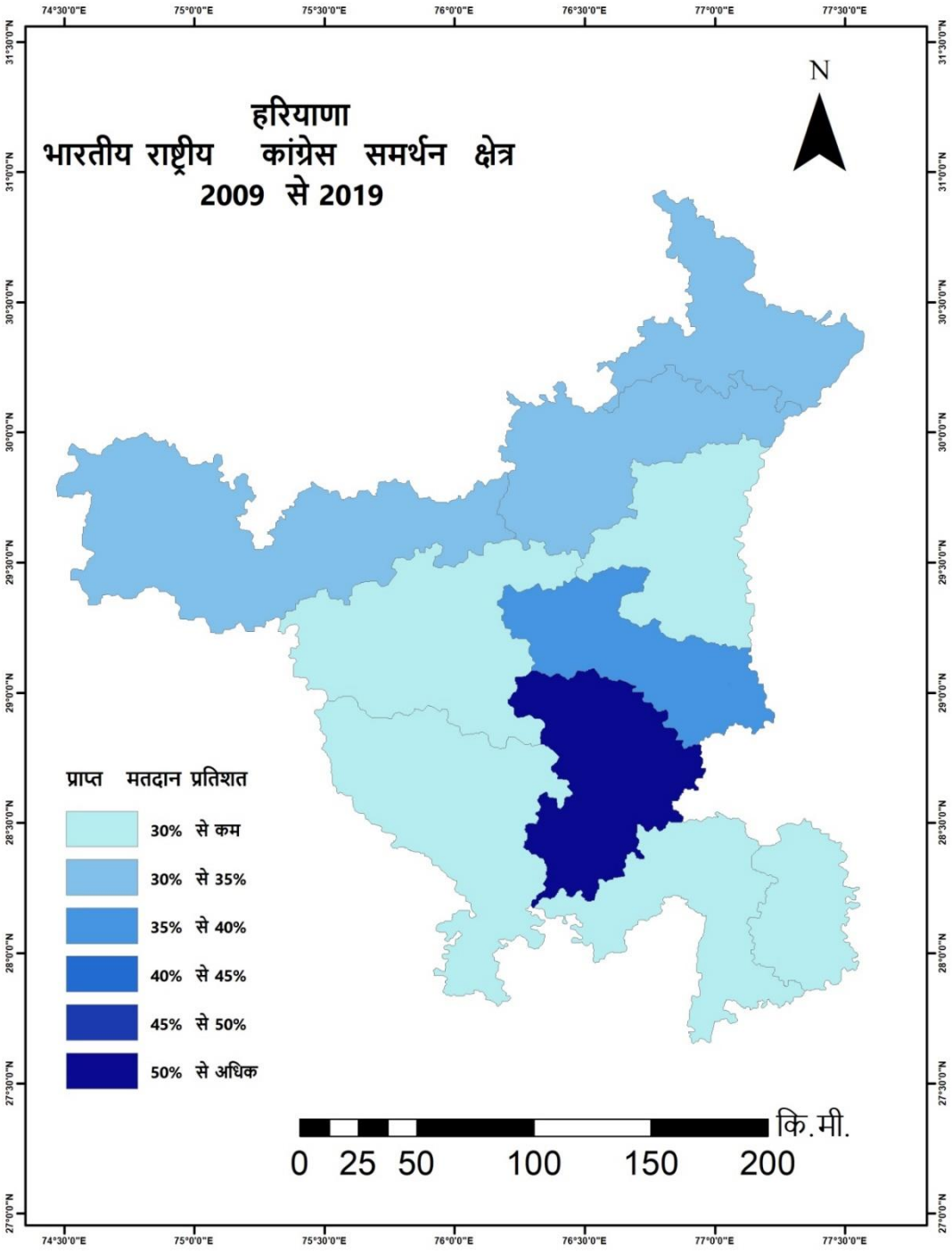

मानचित्र 4

International Journal of Research in Social Sciences
Volume 13 Issue 07, July 2023
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 8.314 UGC Approved Journal Number: 48887
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

भाजपा

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) भारत की मुख्य राष्ट्रीय पार्टी है। यद्यपि हरियाणा की राजनीति में पार्टी का उदय 2014 के लोकसभा चुनावों के बाद ही हुआ है। लोकसभा चुनाव 2009 में भाजपा एक भी लोकसभा क्षेत्र नहीं जीत पाई थी। लोकसभा चुनाव 2014 में पार्टी ने 10 में से 7 लोकसभा क्षेत्र जीते तथा हरियाणा की राजनीति को नया मोड़ दिया। लोकसभा चुनाव 2019 में भाजपा ने हरियाणा के सभी 10 लोकसभा क्षेत्रों में जीत हासिल करके और अधिक दृढ़ता प्राप्त की तथा हरियाणा का एक प्रमुख राजनीतिक दल बन गया।

लोकसभा चुनाव 2009 व 2014 भाजपा ने क्रमशः इंडियन नेशनल लोकदल व हरियाणा जनहित काँग्रेस के साथ गठबंधन में लड़े जबकि 2019 के लोकसभा चुनाव में पार्टी ने किसी दल के साथ गठबंधन नहीं रखा। तीनों ही चुनावों में भाजपा व उसके गठबंधन के घटकों का मुक़ाबला भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस के साथ रहा। यदि तीनों चुनावों में प्राप्त मतदान का औसत लोकसभा क्षेत्रवार मानचित्र पर दर्शाया जाए तो भाजपा के प्रमुख व गौण समर्थन क्षेत्रों की पहचान की जा सकती है।

मानचित्र (5) के आधार से भाजपा के प्रमुख समर्थन क्षेत्र निम्न प्रकार से हैं-

1. *मुख्य समर्थन क्षेत्र:* भाजपा के मुख्य क्षेत्र का निर्माण अंबाला, कुरुक्षेत्र, करनाल , हिसार, भिवानी-महेन्द्रगढ़, गुड़गाँव व फ़रीदाबाद लोकसभा क्षेत्रों से होता है जहाँ पार्टी को 40 प्रतिशत से अधिक औसत मतदान प्राप्त हुआ है। इनमें भी फ़रीदाबाद, करनाल व अंबाला पार्टी के मुख्य क्षेत्र हैं जहाँ पार्टी को 45 प्रतिशत से अधिक औसत मतदान प्राप्त हुआ है। यद्यपि ये लोकसभा क्षेत्र हरियाणा प्रांत की अलग-अलग दिशा में स्थित हैं। इसलिए किसी एक भौगोलिक क्षेत्र का निर्माण नहीं करते। यदि इस वर्ग के सभी लोकसभा क्षेत्रों के आधार से देखा जाए तो भाजपा हरियाणा के उत्तरी, मध्य, दक्षिण से दक्षिण-पूर्व तक एक सतत मुख्य समर्थन पेटी का निर्माण कर चुकी है जहाँ इसे 40 प्रतिशत से अधिक औसत मतदान प्राप्त हुआ है।

2. *गौण समर्थन क्षेत्र:* भाजपा का गौण क्षेत्र पूर्व में रोहतक व सोनीपत लोकसभा क्षेत्र तथा पश्चिम में सिरसा लोकसभा क्षेत्र हैं जहाँ पार्टी को 40 प्रतिशत से कम औसत मतदान प्राप्त हुआ है। इनमें से भी रोहतक लोकसभा क्षेत्र पार्टी का सबसे निम्न औसत मतदान वाला लोकसभा क्षेत्र है।

International Journal of Research in Social Sciences
Volume 13 Issue 07, July 2023
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 8.314 UGC Approved Journal Number: 48887
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

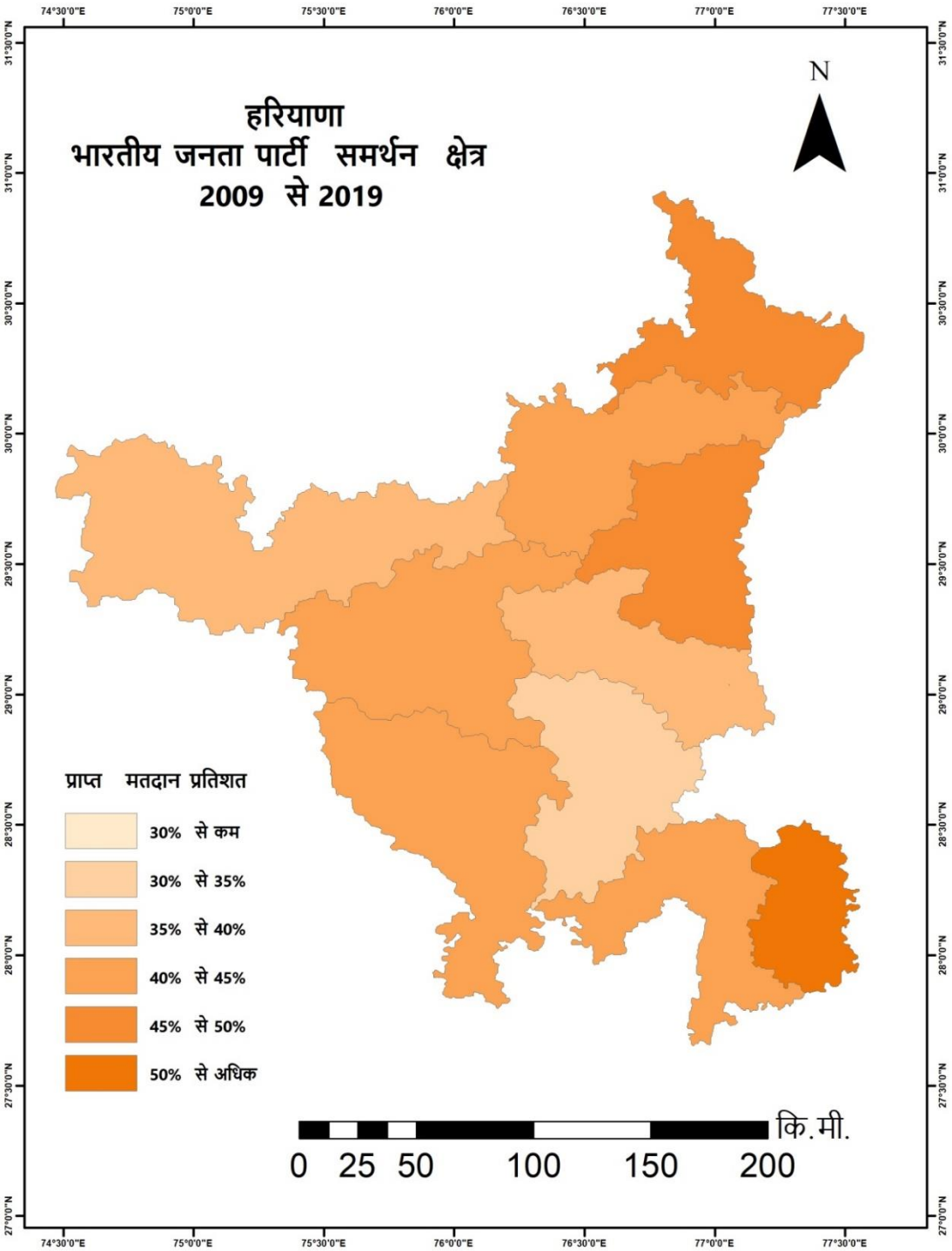

मानचित्र 5

International Journal of Research in Social Sciences
Volume 13 Issue 07, July 2023
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 8.314 UGC Approved Journal Number: 48887
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

निष्कर्ष

प्रस्तुत शोध पत्र हरियाणा के लोकसभा क्षेत्रों में दोनों राजनैतिक दलों के चुनाव प्रदर्शन व समर्थन क्षेत्र के महत्वपूर्ण भौगोलिक प्रतिरूप प्रस्तुत करता है। इसके साथ ही यह भी कहा जा सकता है की हरियाणा का मतदाता केंद्र में सरकार बनाने वाले दल को प्राथमिकता देता है। यदि उपरोक्त तीनों चुनावों में देखा जाए तो 2009 के लोकसभा चुनावों के बाद केंद्र में काँग्रेस दल के नेतृत्व वाले यू. पी. ए. गठबंधन की सरकार बनती है तथा हरियाणा के 10 लोकसभा क्षेत्रों में से 9 पर भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस को विजय मिलती है। क्रमशः 2014 व 2019 के लोकसभा चुनावों में भाजपा की सरकार केंद्र में बनती है व हरियाणा में भी भाजपा को 2014 में 7 लोकसभा क्षेत्रों तथा 2019 में सभी 10 लोकसभा क्षेत्रों पर विजय प्राप्त होती है। इसके साथ ही एक अन्य तथ्य यह भी उभर कर सामने आया की हरियाणा के लोकसभा चुनावों में क्षेत्रीय दलों प्रभाव सिमट रहा है। यदि देखा जाए तो 2009 के लोकसभा चुनावों में हरियाणा जनहित काँग्रेस को केवल एक लोकसभा क्षेत्र से जीत प्राप्त हुई इसके अतरिक्त कोई भी क्षेत्रीय दल कोई लोकसभा क्षेत्र नहीं जीत पाया।

लोकसभा चुनाव 2014 में भी केवल एक क्षेत्रीय दल इंडियन नेशनल लोकदल सिरसा व हिसार लोकसभा क्षेत्रों पर ही जीत दर्ज करवा पाया। यदि 2019 के लोकसभा चुनावों के परिणाम देखें तो किसी भी क्षेत्रीय दल को कोई भी लोकसभा क्षेत्र नहीं जीत पाया। इनके अतिरिक्त सभी लोकसभा क्षेत्रों पर तीनों ही चुनावों में भाजपा या काँग्रेस ने जीत प्राप्त की है। अतः हरियाणा में लोकसभा चुनाव भाजपा व काँग्रेस के बीच द्विपक्षीय होता जा रहा है। जहाँ तक दोनों राजनैतिक दलों के समर्थन क्षेत्रों की बात है तो काँग्रेस पार्टी के समर्थन क्षेत्र में 2009 के बाद तीव्र संकुचन हुआ है और दल का मुख्य समर्थन क्षेत्र रोहतक व सोनीपत लोकसभा क्षेत्र तक ही रह गया है। काँग्रेस के इस गढ़ के अतरिक्त हरियाणा के उत्तरी व पश्चिम के लोकसभा क्षेत्र कुरुक्षेत्र व सिरसा में भी दल का प्रदर्शन संतोषजनक है तथा यहाँ दल को पुनर्जीवित किया जा सकता है।

इन लोकसभा क्षेत्रों के अतिरिक्त अन्य बचे हुए लोकसभा क्षेत्रों करनाल, हिसार, भिवानी-महेन्द्रगढ़, गुड़गाँव व फ़रीदाबाद में काँग्रेस बड़ी तेजी से पिछड़ी है तथा निराशाजनक प्रदर्शन 2014 व 2019 के चुनावों में रहा है। अंबाला एक ऐसा लोकसभा क्षेत्र है जहाँ काँग्रेस व भाजपा दोनों का अछा प्रदर्शन है यद्यपि बढ़त भाजपा को ही प्राप्त है। जहाँ तक भाजपा के समर्थन क्षेत्र का विषय है तो एक तथ्य स्पष्ट है की भाजपा हरियाणा में 2014 के चुनावों के बाद ही मुख्य रूप से उभर कर आया हुआ दल है। इससे पूर्व भाजपा मुख्यतः अपने क्षेत्रीय सहयोगी दलों के सहारे ही हरियाणा में चुनाव लड़ती रही है। लोकसभा चुनाव 2014 में भी भाजपा का गठबंधन हरियाणा जनहित काँग्रेस के साथ था।

अतः भाजपा का समर्थन क्षेत्र मुख्यतः काँग्रेस के समर्थन क्षेत्र के सिकुडने से प्राप्त हुआ है। अंबाला, कुरुक्षेत्र, करनाल, हिसार, भिवानी-महेन्द्रगढ़, गुड़गाँव व फ़रीदाबाद भाजपा के मुख्य समर्थन क्षेत्र हैं। यद्यपि इनमें कुरुक्षेत्र, हिसार, भिवानी-महेन्द्रगढ़ लोकसभा क्षेत्रों में 2009 व 2014 के लोकसभा चुनावों में भाजपा के गठबंधन के सहयोगी क्षेत्रीय दलों इ.ने.लो. व हजका का सहयोग विशेष रूप से शामिल है क्योंकि इन चुनावों में यह लोकसभा क्षेत्र इन सहयोगी दलों के उम्मीदवारों द्वारा लड़े गए थे।

International Journal of Research in Social Sciences
Volume 13 Issue 07, July 2023
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 8.314 UGC Approved Journal Number: 48887
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

इनके इतर भी भाजपा के गढ़ के रूप में अंबाला, करनाल, गुड़गाँव व फ़रीदाबाद तो हैं ही तथा सहयोगी दलों के इन लोकसभा क्षेत्रों पर भी 2019 के लोकसभा चुनावों में जीत हासिल कर भाजपा अपनी बढ़त बना चुकी है। अंत में कहा जा सकता है की लोकसभा चुनाव 2009, 2014 व 2019 में भाजपा ने अपने प्रतिद्वंधी दल काँग्रेस व अपने क्षेत्रयी सहयोगी दलों के समर्थन क्षेत्र को अपने समर्थन क्षेत्र में प्रवर्तित करने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की है। परंतु इस सफलता को अभी स्थायी कहना जल्दबाजी होगी क्योंकि हरियाणा के समर्थन क्षेत्र भाजपा के नवीन क्षेत्र हैं। आगामी चुनावों में देखने वाली बात यह होगी की क्या भाजपा अपने समर्थन क्षेत्रों को दृढ़ता प्रदान करती है? या काँग्रेस व अन्य क्षेत्रीय दल पुनः अपने समर्थन क्षेत्रों को प्राप्त करते हैं ।

संदर्भ

1. मित्रा, स. के. (2011). अदवेरसरियल पोलिटिक्स एंड पॉलिसी कोंटीनुईटी: दी यू.पी.ए., एन. डी. ए. एंड दी रिसाइलेंस ऑफ डेमॉक्रसि इन इंडिया, *कोंटेंपररी साउथ एशिया*, 19(2) 173-187.
2. ओगडेन, च्र. (2012). ए लास्टिंग लेगसी: दी बी जे पी-लेड नेशनल डेमोक्रेटिक अलायन्स एंड इंडिया'स पोलिटिक्स, *जर्नल ऑफ कोंटेंपररी एशिया*, 42(1) 22-38.
3. छिब्बर, प. व वर्मा, र. (2019). दी राइज ऑफ़ दी सेकंड डोमिनेंट पार्टी सिस्टम इन इंडिया: बी जे पी'ज न्यू सोशल कोलिशन इन 2019, *स्टडीज इन इंडियन पॉलिटिक्स*, 7(2) 131–148, 2019।
4. जफ्फ्रेलोट, सी. (2015). दी क्लास एलिमेंट इन दी 2014 इंडियन इलेक्शन एंड दी बी जे पी'ज सक्सेस विद स्पेशल रेफ़रन्स टू हिंदी बेल्ट. *स्टडीज इन इंडियन पॉलिटिक्स*, 3(1) 19–38.
5. देशपांडे, रा., तिल्लिन, ल. व कैलाश, के. के. (2019). दी बी.जे.पी.'ज वेलफेयर स्कीमस: डीड दये मेक ए डीफेरंस इन दी 2019 इलेक्शनस?, *स्टडीज इन इंडियन पॉलिटिक्स*, 2019.
6. मुकर्जी, एस. (2015). अंडरस्टैंडिंग अर्बन-रूरल पैटर्न्स ऑफ़ बी जे पी कैंपेनिंग इन यु पी (लोक सभा इलेक्शनस 2014). *स्टडीज इन इंडियन पॉलिटिक्स*, 3(1) 111–123.
7. शास्त्री, संदीप, (2019). दी मोदी फैक्टर इन दी 2019 लोक सभा इलेक्शन: हाउ क्रिटिकल वाज इट टू दी बी जे पी विक्ट्री?, स्टडीज इन इंडियन पॉलिटिक्स, 7(2) 206–218, 2019.
8. सरदेसाई, श्रेयस, (2019). दी रिलीजियस डिवाइड इन वोटिंग प्रैफरेंसेज एंड एटीट्युड इन दी 2019 इलेक्शन, *स्टडीज इन इंडियन पॉलिटिक्स*, 2019.
9. सांख्यिकी प्रतिवेदन लोकसभा चुनाव, 2009 (भारतीय चुनाव आयोग) ।
10. सांख्यिकी प्रतिवेदन लोकसभा चुनाव, 2014 (भारतीय चुनाव आयोग) ।
11. सांख्यिकी प्रतिवेदन लोकसभा चुनाव, 2019 (भारतीय चुनाव आयोग) ।